

PAPER-III
ARCHAEOLOGY

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

(Name) _____

2. (Signature) _____

(Name) _____

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--	--

(In figures as per admission card)

Roll No. _____

(In words)

D 67 1 0

Time : 2 1/2 hours]

[Maximum Marks : 200

Number of Pages in this Booklet : 32

Number of Questions in this Booklet : 19

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answer to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

No Additional Sheets are to be used.

3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :

(i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.

(ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**

4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुए रिक्त स्थान पर ही लिखिये ।
इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
 - (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
 - (ii) कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है ।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे ।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें ।
8. केवल नीले/काले बाल प्वाइंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।
9. किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।

ARCHAEOLOGY

पुरातत्त्व विज्ञान

PAPER – III

प्रश्नपत्र – III

Note : This paper is of **two hundred (200)** marks containing **four (4)** sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्नपत्र **दो सौ (200)** अंकों का है एवं इसमें **चार (4)** खंड हैं । अभ्यर्थियों को इनमें समाहित प्रश्नों के उत्तर अलग से दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है ।

SECTION – I

खंड – I

Note : This section consists of **two** essay type questions of **twenty (20)** marks each, to be answered in about **five hundred (500)** words each. **(2 × 20 = 40 marks)**

नोट : इस खंड में **बीस-बीस (20)** अंकों के दो निबन्धात्मक प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **पाँच सौ (500)** शब्दों में अपेक्षित है । **(2 × 20 = 40 अंक)**

1. Write an essay on human evolution.

मानव विकास पर एक निबन्ध लिखिए ।

OR/अथवा

How did the beginning of food production impact the pace of lateral development ?

पश्चातकालीन विकास की गति को भोजन उत्पादन की शुरुआत ने कैसे प्रभावित किया ?

2. Throw light on the different aspects of second urbanization.

द्वितीय नगरीकरण के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालिए ।

OR/अथवा

Describe the development of rock-cut architecture.

शैलकृत स्थापत्य के विकास का वर्णन कीजिए ।

SECTION – II

खंड – II

Note : This section contains **three (3)** questions from each of the electives/specializations. The candidate has to choose only one elective/specialization and answer all the three questions from it. Each question carries **fifteen (15)** marks and is to be answered in about **three hundred (300)** words. **(3 × 15 = 45 marks)**

नोट : इस खंड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई / विशेषज्ञता से **तीन (3)** प्रश्न हैं । अभ्यर्थी को केवल एक ऐच्छिक इकाई / विशेषज्ञता को चुनकर उसी के तीनों प्रश्नों का उत्तर देना है । प्रत्येक प्रश्न **पन्द्रह (15)** अंकों का है व उसका उत्तर लगभग **तीन सौ (300)** शब्दों में अपेक्षित है । **(3 × 15 = 45 अंक)**

Elective – I

विकल्प – I

3. Discuss the geo-chronology and cultural sequence of Belan valley.
बेलन घाटी के भूगर्भ कालक्रम तथा सांस्कृतिक क्रम की विवेचना कीजिए ।
4. Bring out the importance of Mesolithic site of Bagor on the basis of results of its excavation.
मध्यपाषाणकालीन पुरास्थल बागोर के उत्खनन के परिणामों के आधार पर उसके महत्त्व को निरूपित कीजिए ।
5. Throw light on the growth of early farming communities of Baluchistan with special reference to the excavations at Mehargarh.
मेहरगढ़ उत्खनन के विशेष संदर्भ में बलूचिस्तान कृषक समुदायों के विकास पर प्रकाश डालिए ।

OR / अथवा

Elective – II

विकल्प – II

3. Give an account of the geographical distribution of Harappa culture.
हड़प्पा संस्कृति के भौगोलिक विस्तार का विवरण प्रस्तुत कीजिए ।
4. Discuss the main causes of de-urbanization of Harappa culture.
हड़प्पा संस्कृति में नगर-हास के प्रमुख कारणों की विवेचना कीजिए ।
5. Bring out the main features of the Jorwe culture with special emphasis on Inamgaon.
इनामगांव पर संकेन्द्रित करते हुए जोर्वे संस्कृति के प्रमुख लक्षणों को निरूपित कीजिए ।

OR / अथवा

Elective – III

विकल्प – III

3. Discuss typology and cultural significance of the Northern Black Polished Ware.
उत्तर कृष्ण मार्जित मृदभाण्डों के प्रकारों तथा सांस्कृतिक महत्त्व की विवेचना कीजिए ।
4. Give an account of the Kaushambi excavation.
कौशाम्बी उत्खनन का विवरण प्रस्तुत कीजिए ।
5. Discuss the main features of material culture of Gupta period.
गुप्तकालीन भौतिक संस्कृति की प्रमुख विशेषताओं की विवेचना कीजिए ।

OR / अथवा

Elective – IV

विकल्प – IV

3. Discuss the development of rock cut architecture in Deccan.
दक्कन में शैलकृत स्थापत्य के विकास की विवेचना कीजिए ।
4. Describe the architectural features of Stupa at Sanchi.
सांची के स्तूप की स्थापत्य विषयक विशेषताओं का वर्णन कीजिए ।
5. Write a detailed note on Ajanta Cave Paintings.
अजन्ता की गुहा चित्रकला पर एक विस्तृत टिप्पणी लिखिए ।

OR / अथवा

Elective – V

विकल्प – V

3. Discuss the different theories regarding the origin of Indus script.
सैन्धव लिपि के उद्भव से सम्बन्धित विभिन्न मतों का विवेचन कीजिए ।
4. Write a critical note on Junagarh inscription of Rudra Daman.
रुद्र दमन के जूनागढ़ अभिलेख पर एक आलोचनात्मक टिप्पणी लिखिए ।
5. Write a detailed note on Roman gold coins in India.
भारत में रोमन स्वर्ण मुद्राओं पर एक विस्तृत टिप्पणी लिखिए ।

SECTION – III

खंड – III

Note : This section contains **nine (9)** questions of **ten (10)** marks, each to be answered in about **fifty (50)** words. **(9 × 10 = 90 marks)**

नोट : इस खंड में **दस-दस (10-10)** अंकों के **नौ (9)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **पचास (50)** शब्दों में अपेक्षित है । **(9 × 10 = 90 अंक)**

6. Define ethno-archaeology and experimental archaeology.
नृजातीय पुरातत्त्व एवं प्रयोगात्मक पुरातत्त्व को परिभाषित कीजिए ।

7. Discuss the characteristic features of upper Palaeolithic culture of India.
भारत की उच्च पूर्व पाषाणिक संस्कृति की प्रमुख विशेषताओं की विवेचना कीजिए ।

8. Throw light on the components of urbanization during Kushana period.
कुषाण काल में नगरीकरण के तत्त्वों पर प्रकाश डालिए ।

9. Describe the salient features of Megalithic cultures of South India.
दक्षिण भारत की वृहत्पाषाणिक संस्कृतियों की प्रमुख विशेषताओं का विवरण दीजिए ।

10. Present a model of synopsis for a proposed research in Archaeology.
पुरातत्त्व में एक प्रस्तावित शोध हेतु शोध संक्षिप्तिका का प्रारूप प्रस्तुत कीजिए ।

11. Discuss the architectural features of Bharahut Stupa.
भरहुत-स्तूप की स्थापत्य संबंधी विशेषताओं की विवेचना कीजिए ।

12. Differentiate the Vesara and Draviḍa styles of temple architecture.
मंदिर स्थापत्य की वेसर और द्राविड़ शैलियों में अन्तर बताइए ।

13. Write a note on the importance of Allahabad pillar inscription of Samudragupta.
समुद्रगुप्त के इलाहाबाद स्तम्भ लेख के महत्त्व पर एक टिप्पणी लिखिए ।

-
-
-
-
-
-
-
-
-
-
-
-
-
-
-
-
-
-
-
-
-
-
-
14. Discuss the antiquity of coinage in India.
भारत में मुद्रा की प्राचीनता की विवेचना कीजिए ।
-
-
-
-
-
-
-
-
-
-
-
-
-
-
-
-
-
-
-
-
-
-
-

SECTION – IV

खंड – IV

Note : This section contains **five (5)** questions of **five (5)** marks each based on the following passage. Each question should be answered in about **thirty (30)** words.

(5 × 5 = 25 marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित परिच्छेद पर आधारित **पाँच (5)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **तीस (30)** शब्दों में अपेक्षित है । प्रत्येक प्रश्न **पाँच (5)** अंकों का है ।

(5 × 5 = 25 अंक)

A fortified and planned pre-Indus settlement with an extensive range of pottery was found in the western sector of the Kalibangan site almost immediately after the excavations began. Equally interestingly, the pottery identified by A. Ghosh at sites like Sothi, which were explored by him earlier in the Ghaggar valley, was found to match the pottery from pre-Indus Kalibangan. On this basis and also on the basis of the parallels he sought for the pottery of pre-Indus Kalibangan in the corresponding levels of Kot Diji, Harappa, and several Baluchistan sites, Ghosh postulated a firm Sothi substratum in the make-up of the Indus civilization. He thought that there was 'every justification for regarding the Sothi as 'proto-Harappan'. Two years later, W.A. Fairservis wrote that the area along the Southern border of the Kachi plain and the foothills of the Kirthar range could have an Early Harappan level 'in the direct line to the so-called mature or urbanized phase of that culture.' This, however, did not deter him from claiming that the 'elaboration' of the Harappan civilization was due to Mesopotamian contact, although it could be said to have achieved its characteristic style indigenously. In about the same period B. and F.R. Allchin wrote that 'a large if not a major element in the Harappan civilization must derive from pre-Harappan culture of the Indus valley itself.'

कालीबंगा पुरास्थल पर उत्खनन प्रारम्भ होने के कुछ ही समय पश्चात इसके पश्चिमी क्षेत्र में विविध प्रकार के मृदभाण्डों के साथ एक दुर्गाकृत और नियोजित प्राक-सैन्धव आवास प्राप्त हुआ । इतने ही रोचक, ए.घोष द्वारा चिह्नित सोथी जैसे पुरास्थल थे जिनका सर्वेक्षण उन्होंने घग्घर घाटी में पहले किया था और जो कालीबंगा के प्राक-सैन्धव पात्रों से साम्य रखते थे । इस आधार पर और पारस्परिक समानता के आधार पर कालीबंगा के प्राक सैन्धव पात्रों को उसके समकक्ष कोटदीजी, हड़प्पा और बलूचिस्तान के कई पुरास्थलों के स्तरों से प्राप्त पात्रों के आलोक में घोष ने सैन्धव सभ्यता के निर्माण में एक सुदृढ़ सोथी उपस्तर की अवधारणा प्रस्तुत की । उन्होंने माना कि सोथी को एक आद्यहड़प्पा (चरण) मानना सर्वथा उपयुक्त है । दो वर्ष उपरान्त डब्लू.ए. फेयरसर्विस ने लिखा

कि काची मैदान के दक्षिणी सीमान्त के साथ का क्षेत्र और किरथार शृंखला की तलहटी में एक प्रारंभिक हड़प्पन सतह हो सकती है जिसने इस संस्कृति के तथाकथित विकसित या नगरीकृत चरण को सीधे प्रभावित किया । इस अवधारणा के बाद भी उन्होंने इस बात से इन्कार नहीं किया कि सैन्धव सभ्यता का विस्तार मेसोपोटामिया से सम्पर्क के कारण हुआ, यद्यपि यह कहा जा सकता है कि इसने अपनी विशिष्टता स्थानीय परम्पराओं से प्राप्त की । लगभग इसी समय बी.और. एफ.आर. अल्चिन ने लिखा कि हड़प्पन सभ्यता का यदि प्रधान नहीं तो एक बड़ा तत्त्व सैन्धव घाटी की ही प्राक् हड़प्पा संस्कृति से उद्भूत हुआ ।

15. What is early Harappan Culture ?
प्रारंभिक हड़प्पा संस्कृति क्या है ?

16. Write on the early Harappan fortification at Kalibangan.
कालीबंगा के प्रारंभिक हड़प्पीय दुर्गीकरण पर लिखिए ।

19. Narrate urban features at Kalibangan.
कालीबंगा की नगरीय विशेषताओं का वर्णन कीजिए ।

Space For Rough Work

FOR OFFICE USE ONLY	
Marks Obtained	
Question Number	Marks Obtained
1	
2	
3	
4	
5	
6	
7	
8	
9	
10	
11	
12	
13	
14	
15	
16	
17	
18	
19	

Total Marks Obtained (in words)

(in figures)

Signature & Name of the Coordinator

(Evaluation)

Date